मुख्य विकास अधिकारी , अयोध्या द्वारा जल जीवन मिशन कार्यक्रम अन्तर्गत 'हर घर जल' के सम्बन्ध में आहूत की गई समीक्षा बैठक दिनांक 22.06.2026 का कार्यवृत्त/दिए गए महत्वपूर्ण निर्देश बिन्दु।

दिनांक 22.06.2026 को अधोहस्ताक्षरी द्वारा जल जीवन मिशन के अन्तर्गत 'हर घर जल' के सम्बन्ध में प्रगति की समीक्षा की गई। समीक्षा बैठक में अधिशासी अभियन्ता, जल निगम (ग्रामीण), सहायक अभियन्ता जल निगम (ग्रामीण), जिला समन्वयक, डी0पी0एम0यू0, टीम लीडर, टी0पी0आई0 तथा चयनित एजेंसी मेसर्स गायत्री प्रोजेक्ट लि0 एवं रैमकी (जे0वी0), हैदराबाद, मेसर्स वी0एस0ए0–एस0सी0एल0 (जे0वी0), हैदराबाद, मेसर्स यूनिवर्सल एमईपी प्रोजेक्ट एण्ड इंजीनियरिंग सर्विसेज लि0, मुम्बई, मेसर्स विन्ध्या टेलीलिंक लि0,–गाजा इंजीनियरिंग प्रा0लि0 (जे.वी.), नोएडा–201301 (उ0प्र0) के प्रतिनिधि उपस्थित थे। बैठक में की गई चर्चा एवं दिए गए निर्देशानुसार सभी सम्बन्धित अधिकारी को निम्न बिन्दुओं पर तत्काल अपेक्षित कार्यवाही करते हुए अनुपालन आख्या उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें।

- अधिशासी अभियन्ता, जल निगम (ग्रामीण) द्वारा अवगत कराया गया कि जनपद अयोध्या मे 1144 राजस्व ग्रामो हेतु 535 नग पेयजल योजनाओं में से 343 नग पेयजल योजनाएं पूर्ण कर ली गई है, जिसमे से 290 नग योजनाओं का रख–रखाव एवं संचालन का कार्य प्रारम्भ किया जा चुका है। 535 नग योजना अन्तर्गत 540 नग शिरोपरि जलाशय से सापेक्ष 448 नग का कार्य पूर्ण कराया जा चुका है, अवशेष शिरोपरि जलाशय के निर्माण का कार्य प्रगति पर है। साथ ही 387 नग योजनाओं के 782 नग राजस्व ग्रामों में नियमित जलापूर्ति प्रारम्भ करा दी गई है।
- अधिशासी अभियन्ता, जल निगम (ग्रामीण) द्वारा अवगत कराया गया कि जनपद अयोध्या मे 240 नग पेयजल योजनाओं में हर घर जल सर्टीफिकेशन कराया गया, साथ ही यह भी अवगत कराया गया कि ग्राम प्रधानों द्वारा प्रमाण पत्र पर हस्ताक्षर नही किये जा रहे है, जिसके संदर्भ में आई0एस0ए0 संस्थाओं एवं डी0पी0एम0यू0 के सहयोग से ग्राम प्रधानो से सम्पर्क करते हुए प्रमाण पत्र पर हस्ताक्षर कराने का प्रयास किया जा रहा है।
- अधिशासी अभियन्ता (जल निगम ग्रामीण) द्वारा अवगत कराया गया कि विकासखण्ड– मया बाजार मे शेरवाघाट पेयजल योजना की भौतिक प्रगति 25 प्रतिशत से कम है, जिस पर अधोहस्ताक्षरी द्वारा जानकारी चाही गई कि अभी तक शेरवाघाट पेयजल योजना में बाउण्ड्रीवाल निर्माण क्यों नहीं प्रारम्भ किया गया। जिस पर अधिशासी अभियन्ता, जल निगम द्वारा अवगत कराया गया कि जलकल परिसर मे पेड़ों की कटाई का कार्य लम्बित है, जिसके संदर्भ मे अधोहस्ताक्षरी द्वारा कहा गया कि डी0एफ0ओ0 को निर्देशित कर दिया गया है, उनसे समन्वय स्थापित करते हुए, पेड़ों की कटाई का कार्य पूर्ण करायें, कार्य सम्पन्न न होने की स्थिति मे दो दिवस में अधोहस्ताक्षरी को अवगत करायें।
- दो योजनाएं नामतः 1. तिहुरामांझा पेयजल योजना, विकासखण्ड–पूरा बाजार, 2. अरूवावा पेयजल योजना, विकासखण्ड–मसौधा में भौतिक प्रगति 25 प्रतिशत से 50 प्रतिशत के बीच पायी गई। जिस पर अधोहस्ताक्षरी द्वारा जानकारी चाही गई कि इन दो योजनाओं की प्रगति कम क्यों है। जिसके के संदर्भ मे अधिशासी अभियन्ता, जल निगम (ग्रामीण) द्वारा अवगत कराया गया कि तिहुरा माझा पेयजल योजना आवास विकास प्राधिकरण द्वारा अधिग्रहण कर लिया गया, जबकि अरूवावां मे ट्यूबवेल का काम हो गया है, परन्तु विवाद के कारण कार्य बाधित है। जिसके सम्बन्ध मे उपजिलाधिकारी से वार्ता की गई, पुलिस बल के सहयोग से कार्य कराया जाना है।
- अधिशासी अभियन्ता, जल निगम (ग्रामीण) द्वारा अवगत कराया गया कि विकासखण्ड– मया बाजार के शेरवाघाट पेयजल योजना मे भूमि विवाद का निस्तारण कराया जा चुका है। इसके अतिरिक्त विकासखण्ड–पूरा बाजार मे मित्रसेनपुर पेयजल योजना मे आवंटित भूमि पर विवाद अभी भी बना हुआ है। जिसके संदर्भ मे उपजिलाधिकारी, सदर, अयोध्या से वार्ता कर विवाद निस्तारण हेतु प्रयास किया जा रहा है।

Scanned with OKEN Scanner

- अधोहस्ताक्षरी द्वारा जानकारी चाही गई कि जिन योजनाओं में नियमित जलापूर्ति की जा रही है वहां पर पानी की गुणवत्ता की जांच करायी जा रही है अथवा नहीं। जिस पर अधिशासी अभियन्ता, जल निगम (ग्रामीण) द्वारा अवगत कराया गया कि हर माह जल निगम की प्रयोगशाला एवं एन0ए0बी0एल0 की प्रयोगशाला मे पानी के गुणवत्ता की जांच करवायी जा रही है। जांच में गुणवत्ता सही पायी गई। अधोहस्ताक्षरी द्वारा निर्देश दिया गया कि पानी गुणवत्ता की नियमित जांच करते रहें, ताकि जनमानस मे पानी की खराब गुणवत्ता के कारण किसी जलजनित बीमारी की सम्भावना उत्पन्न न हो।
- अधोहस्ताक्षरी द्वारा निर्देश दिया गया कि जो शिरोपरि जलाशय क्रियाशील हैं, उनका नियमित निरीक्षण करें कि पानी भरे जाने के बाद दबाव को सहन कर रहा है अथवा नहीं। जिस पर अधिशासी अभियन्ता, जल निगम (ग्रामीण) द्वारा अवगत कराया गया कि उनके द्वारा जूनि0इंजी0, सहा0अभि0 एवं टी0पी0आई0 के माध्यम से सभी क्रियाशील शिरोपरि जलाशय का निरीक्षण कराया जा रहा है एवं जांच रिपोर्ट कार्यालय में उपलब्ध करायी जा रही है।
- अधिशासी अभियन्ता, जल निगम (ग्रामीण) द्वारा अवगत कराया गया कि 535 नग पेयजल योजनाओं के अन्तर्गत 592 नग ट्यूबवेल के सापेक्ष 581 नग, 592 नग पम्पहाउस के सापेक्ष 524 पम्पहाउस, 592 नग बाउण्ड्रीवाल के सापेक्ष 545 नग का कार्य पूर्ण किया जा चुका है। 10657 किमी0 पाइप लाइन के सापेक्ष 10249 किमी0 पाइप लाइन बिछायी जा चुकी है तथा 333584 नग गृह जल संयोजन के सापेक्ष 327962 नग का कार्य पूर्ण है। 535 नग पेयजल योजनाओं के अन्तर्गत 592 नग जलकल परिसर विकास कार्य के सापेक्ष 339 नग कार्य तथा 387 नग क्लोरीनेशन एवं सोलर 424 नग का कार्य पूर्ण किया जा चुका है। 535 नग पेयजल योजनाओं मे पाइप लाइन बिछाये जाने हेतु 5497 किमी0 सड़क पुनर्स्थापना का कार्य पूर्ण कराया गया जो कि लक्ष्य का 99 प्रतिशत है।
- अधोहस्ताक्षरी द्वारा सभी फर्मो को निर्देशित किया गया कि जिन योजनाओं में नियमित जलापूर्ति की जा रही है वहां पर क्लोरीनेशन के साथ ही जलापूर्ति की जाय।

<u>एजेंसीवार प्रगति की समीक्षा की गई जिसका विवरण निम्न है –</u>

1. मेसर्स यूनिवर्सल एमईपी प्रोजेक्ट एण्ड इंजीनियरिंग सर्विसेज लि0, मुम्बई की योजनावार समीक्षा बैठक में पाया गया कि –

   * फर्म के प्रोजेक्ट मैनेजर द्वारा अवगत कराया गया कि 164 नग ट्यूबवेल के सापेक्ष 164 नग, 164 नग पम्पहाउस के सापेक्ष 164 नग, 164 नग बाउण्ड्रीवाल के सापेक्ष 163 नग, 159 नग शिरोपरि जलाशय के सापेक्ष 151 नग, 2311 किमी0 पाइप लाइन के सापेक्ष 2380 किमी0 पाइप लाइन का कार्य तथा 116908 नग गृह जल संयोजन के सापेक्ष 117000 नग का कार्य पूर्ण है, 151 नग पेयजल योजनाओं में जलापूर्ति की जा रही है। 146 नग पेयजल योजनाएं रख–रखाव एवं संचालन कार्य हेतु प्रेषित की जा चुकी हैं।
   * फर्म के प्रोजेक्ट मैनेजर द्वारा अवगत कराया गया कि शेष 03 नग शिरोपरि जलाशय का निर्माण कार्य प्रगति पर जिसे अगामी दो माह में पूर्ण कर लिया जायेगा।
   * अधोहस्ताक्षरी द्वारा फर्म की प्रगति अच्छी होने पर कार्यो की सराहना की गई।

2. मेसर्स वी0एस0ए0–एस0सी0एल0 (जे0वी0), हैदराबाद की योजनावार समीक्षा बैठक में पाया गया कि –

   * फर्म के प्रोजेक्ट मैनेजर द्वारा अवगत कराया गया कि 328 नग ट्यूबवेल के सापेक्ष 316 नग, 328 नग पम्पहाउस के सापेक्ष 264 नग, 328 नग बाउण्ड्रीवाल के सापेक्ष 285 नग, 296 नग शिरोपरि जलाशय के सापेक्ष 237 नग, 7077 किमी0 पाइप लाइन के सापेक्ष 6619 किमी0 पाइप लाइन का कार्य तथा 189415 नग गृह जल संयोजन के सापेक्ष 187387 नग का कार्य पूर्ण है, 164 नग पेयजल योजनाओ से नियमित जलापूर्ति की जा रही है। 96 नग पेयजल योजनाएं रख–रखाव एवं संचालन कार्य हेतु प्रेषित की जा चुकी हैं।
   * अधोहस्ताक्षरी द्वारा पेयजल योजनाओ के समस्त कार्यो की धीमी प्रगति के सम्बन्ध फर्म के प्रोजेक्ट मैनेजर के प्रति रोष व्यक्त करते हुए अधिशासी अभियन्ता, जल निगम (ग्रामीण) को

Scanned with OKEN Scanner

निर्देशित किया गया कि फर्म के विरुद्ध पत्र तैयार कर दिनांक 29.06.2026 तक अधोहस्ताक्षरी के समक्ष प्रस्तुत करे ताकि फर्म के विरुद्ध अतिरिक्त एल0डी0 भारित किया जाय। साथ ही यह भी निर्देश दिया गया कि प्रत्येक बैठक के उपरान्त फर्म के विरुद्ध पत्र निर्गत किया जाय।

* फर्म की प्रगति रिपोर्ट में पाया गया कि 134 नग योजनाएं पूर्ण कर ली गई है परन्तु अभी तक 96 नग योजनाओं को ही संचालन एवं रख–रखाव हेतु भेजा जा सका है। जिस पर अधोहस्ताक्षरी द्वारा जल निगम (ग्रामीण) के समस्त सहायक अभियन्ताओं को निर्देशित किया गया कि दिनांक 29.06.2026 तक कम से कम 115 नग योजनाएं संचालन एवं रख–रखाव हेतु भेजी जाय। अन्यथा की स्थिति में अधिशासी अभियन्ता जल निगम को निर्देशित किया गया कि समस्त सहा0अभि0 का एक माह का वेतन रोक दिया जाय एवं एजेन्सी के विरुद्ध 1 प्रतिशत एल0डी0 अध्यारोपित करने हेतु पत्र तैयार कर उच्चाधिकारियों को प्रेषित किया जाय।

3. मेसर्स विन्ध्या टेलीलिंक लि0,–गाजा इंजीनियरिंग प्रा0लि0 (जे.वी.), नोएडा की योजनावार समीक्षा बैठक में पाया गया कि –

* फर्म के प्रोजेक्ट मैनेजर द्वारा अवगत कराया गया कि 54 नग ट्यूबवेल के सापेक्ष 54 नग, 54 नग पम्पहाउस के सापेक्ष 53 नग, 54 नग बाउण्ड्रीवाल के सापेक्ष 53 नग, 49 नग शिरोपरि जलाशय के सापेक्ष 48 नग, 854 किमी0 पाइप लाइन के सापेक्ष 826 किमी0 पाइप लाइन का कार्य तथा 26082 नग गृह जल संयोजन के सापेक्ष 25035 नग का कार्य पूर्ण है, 39 नग पेयजल योजनाओं में जलापूर्ति की की जा रही है। 29 नग पेयजल योजनाएं रख–रखाव एवं संचालन कार्य हेतु प्रेषित की जा चुकी हैं।
* फर्म के प्रोजेक्ट मैनेजर द्वारा अवगत कराया गया कि राष्ट्रीय राजमार्ग द्वारा सहमति न मिलने के कारण 12 नग योजनाओं में कार्य बाधित है। जिस पर अधोहस्ताक्षरी द्वारा कहा गया कि इस सम्बन्ध में पी0आई0यू0 को निर्देशित किया गया है, उनसे समन्वय स्थापित कर सहमति प्राप्त करें। अधोहस्ताक्षरी द्वारा अधिशासी अभियन्ता, जल निगम (ग्रामीण) से पूछा गया कि राष्ट्रीय राजमार्ग के क्रासिंग का उल्लेख प्रस्तुत की जा रही पी0पी0टी0 में क्यों नही है। साथ ही निर्देश दिया गया कि अगली बैठक में समस्त समस्याओं का उल्लेख पी0पी0टी0 में होना चाहिए।
* अधोहस्ताक्षरी द्वारा फर्म के प्रोजेक्ट मैनेजर को निर्देशित किया गया कि बची हुए 6 किमी0 मार्ग के रेस्टोरेशन का कार्य शीघ्र करा लें।

4. मेसर्स गायत्री प्रोजेक्ट लि0 एवं रैनकी (जे0वी0), हैदराबाद की योजनावार समीक्षा बैठक में पाया गया कि –

* फर्म के प्रोजेक्ट मैनेजर द्वारा अवगत कराया गया कि 46 नग ट्यूबवेल के सापेक्ष 45 नग, 46 नग पम्पहाउस के सापेक्ष 44 नग, 46 नग बाउण्ड्रीवाल के सापेक्ष 44 नग, 36 नग शिरोपरि जलाशय के सापेक्ष 34 नग, 417 किमी0 पाइप लाइन के सापेक्ष 424 किमी0 पाइप लाइन का कार्य तथा 19523 नग गृह जल संयोजन के सापेक्ष 18851 नग का कार्य पूर्ण है, 33 नग पेयजल योजनाओं में जलापूर्ति की जा रही है। 19 नग पेयजल योजनाएं रख–रखाव एवं संचालन कार्य हेतु प्रेषित की जा चुकी हैं।
* फर्म के प्रोजेक्ट मैनेजर द्वारा अवगत कराया कि 36 नग योजनाओं में से 13 नग योजनाएं हर घर जल सर्टीफाइड हो सके हैं, ग्राम प्रधानों द्वारा प्रमाण पत्र पर हस्ताक्षर नही किये जा रहे है। साथ ही यह भी अवगत कराया गया कि मित्रसेनपुर पेयजल योजना में आवंटित भूमि विवादित है। हर घर जल सर्टीफिकेशन के संदर्भ में अधिशासी अभियन्ता, जल निगम (ग्रामीण) द्वारा अवगत कराया गया कि सहा0अभि0/जूनि0इंजी0 एवं जिला कोआर्डिनेटर, डी0पी0एम0यू0 के माध्यम से ग्राम प्रधानों से वार्तालाप करते हुए एवं उनके द्वारा बतायी गई कमियों का निस्तारण कराते हुए प्रमाण पत्र पर हस्ताक्षर हेतु प्रयास किये जा रहे है।

Scanned with OKEN Scanner

5. आई0एस0ए0 –

अधोहस्ताक्षरी द्वारा जानकारी चाही गई कि क्या आई0एस0ए0 संस्थाओ द्वारा जनपद मे क्या कार्य कराया जा रहा है, जिस पर जिला कोआर्डिनेटर, डी0पी0एम0यू0 द्वारा अवगत कराया गया कि वर्तमान में समस्त आई0एस0ए0 संस्थाओं द्वारा दिसम्बर, 2024 तक संचालन एवं रख–रखाव मे प्रेषित योजनाओं के जल आंकलन का कार्य कराया जा रहा है। अधोहस्ताक्षरी द्वारा जानकारी चाही गई कि आई0एस0ए0 संस्थाओ द्वारा पोस्ट इम्प्लीमेन्टेशन का कार्य कराया जा रहा है कि नही। जिस पर जिला कोआर्डिनेटर, डी0पी0एम0यू0 द्वारा अवगत कराया गया कि वर्तमान मे पोस्ट इम्प्लीमेन्टेशन का कोई कार्य नही कराया जा रहा है। सोशल ऑडिट का कार्य कराया जाना है, जिस पर अधोहस्ताक्षरी द्वारा जिला कोआर्डिनेटर, डी0पी0एम0यू0 को निर्देशित किया गया कि सोशल ऑडिट के कार्य हेतु प्रत्येक माह दो योजनाओ हेतु सहायक अभियन्ताओ को नामित करें।

अधोहस्ताक्षरी द्वारा जानकारी चाही गई कि क्रियाशील योजनाओं मे नियुक्त पम्प आपरेटरों का वेतन कितना है, और किस आधार पर दिया जा रहा है, जिस पर फर्म के प्रोजेक्ट मैनेजर द्वारा अलग–अलग वेतन, अलग–अलग आधार पर दिये जाने की बात कही गई। जिस पर अधोहस्ताक्षरी द्वारा कहा गया कि भविष्य मे इस सम्बन्ध मे बैठक करते हुए एक आधार पर वेतन निर्धारित किया जायेगा।

6. आई0ई0सी0 –

अधोहस्ताक्षरी द्वारा जानकारी चाही गई कि क्या आई0ई0सी0 संस्थाओ द्वारा जनपद में क्या कार्य कराया जा रहा है, जिस पर जिला कोआर्डिनेटर, डी0पी0एम0यू0 द्वारा अवगत कराया गया कि शिरोपरि जलाशय परिसर में पेंटिंग एवं लिखवाने का कार्य कराया जा रहा है, जिसमें से कुछ कार्य अभी शेष है, जिसे शीघ्र ही पूर्ण कराया जायेगा।

अधोहस्ताक्षरी द्वारा जानकारी चाही गई कि जल सखियों द्वारा पानी की जांच की जा रही है अथवा नहीं। साथ ही अधिशासी अभियन्ता, जल निगम (ग्रामीण) को निर्देशित किया गया कि इसकी मॉनीटरिंग करते हुए जल सखियों के माध्यम से पानी गुणवत्ता की जांच करायें।

इसके अतिरिक्त अधोहस्ताक्षरी द्वारा समस्त कार्यदायी फर्मो को निर्देशित किया गया कि सड़क मरम्मत का कार्य गुणवत्ता पूर्ण कराया जाये, केवल खानापूर्ति न की जाये।

कार्यालय– मुख्य विकास अधिकारी, अयोध्या

पत्रांक 5422 / M-27 / 127 दिनांक : 16/07/2026

प्रतिलिपि – निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित –

1. जिलाधिकारी, अयोध्या।
2. अधीक्षण अभियन्ता, जल निगम (ग्रामीण), अयोध्या।
3. अधिशासी अभियन्ता, जल निगम (ग्रामीण), अयोध्या।
4. समस्त उपजिलाधिकारी, अयोध्या को इस आशय से प्रेषित कि अपने से सम्बन्धित क्षेत्र की योजनाओ मे भूमि उपलब्ध नही है अथवा भूमि विवादित है, का निस्तारण कराने का कष्ट करें।
5. समस्त खण्ड विकास अधिकारी को इस निर्देश के साथ कि पूर्ण योजनाओं के हर घर जल प्रमाणीकरण हेतु ग्राम पंचायत सचिव से सत्यापन कराकर प्रमाणीकरण का कार्य कराएं।
6. डिस्ट्रिक्ट कोआर्डिनेटर, डी0पी0एम0यू0, अयोध्या।
7. टीम लीडर, टी0पी0आई0, अयोध्या यूनिट।
8. मेसर्स गायत्री प्रोजेक्ट लि0 एवं रैमकी (जे0वी0), हैदराबाद, मेसर्स वी0एस0ए0– एस0सी0एल0 (जे0वी0), हैदराबाद, मेसर्स यूनिवर्सल एमईपी प्रोजेक्ट एण्ड इंजीनियरिंग सर्विसेज लि0, मुम्बई, मेसर्स विन्ध्या टेलीलिंक लि0,–गाजा इंजीनियरिंग प्रा0लि0 (जे.वी.), नोएडा–201301 (उ0प्र0)।

Digitally signed by
Krishan Kumar Singh
Date: 16-07-2026
10:52:41

मुख्य विकास अधिकारी,
अयोध्या।

Scanned with OKEN Scanner